सी एम एफ आर आइ स्थापना दिवस समारोह

समुद्री जीवन का विस्मय प्रदर्शन

73- वां स्थापना दिवस के दौरान दिनांक 4 फरवरी 2020 को समुद्री जीवन का चमत्कार दिखाने के लिए भा कृ अनु प – केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान मुख्यालय कोच्ची एवं विविध क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों के द्वार छात्रों एवं सार्वजनिक लोगों के लिए खुले रहे। खुली सभा कार्यक्रम से जनता को समुद्री दुनिया का विस्मय देखने और समुद्री अनुसन्धान के नवीनतम विकास को समझने का अवसर मिला। समुद्र में जलीय जीवों का विसमय देखने एवं वैज्ञानिकों से विचार विमर्श करने के लिए कोच्ची स्थित संस्थान मुख्यालय में करीब 4000 लोगों ने दौरा किया।

मुख्यालय में स्थापना दिवस के दृश्य

समुद्री दुनिया का विस्मय देखने के लिए आए भारी भीड़ राष्ट्रीय समुद्री जैव विविधता संग्रहालय, समुद्री अनुसंधान जलजीवशाला और विविध प्रयोगशालाओं के समुद्री जलीय जीवन के दुर्लभ संग्रह को देखकर चकित हुई। संग्रहालय में समुद्री खरगोश, उड़न स्क्विड, होर्स शू केकड़ा, समुद्री सांप, समुद्री पक्षियां, समुद्री सांप, समुद्री पक्षि, मुक्ता शुक्ति, समुद्री पशु, सुराएं, पेंगुइन, डॉलफिन आदि समुद्री प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया है। सी एम एफ आर आइ का संग्रहालय समुद्री प्रजातियों का राष्ट्रीय नामित रजिस्ट्री है जहां करीब 3000 समुद्री जीवों के प्रतिरूपों का संकलन है।

सी एम एफ आर आइ ने इस अवसर पर वेलापवर्ती, तलमज्जी, मोलस्कन एवं क्रस्टेशियन मात्स्यिकी संपदाएं जैसे कि उड़न मीन, होर्स फिश, शार्क एवं रे की अपूर्व प्रजातियां, भीमाकार पुली चिंगट एवं भीमाकार केंकडों की प्रदर्शनी की व्यवस्था की। समुद्री अनुसंधान जलाजीवशाला में किए गए अपूर्व अलंकारी किस्मों एवं मोतियों, मुक्ता शुक्तियों, स्क्विड जिग्स, मैंग्रोव और समुद्री शैवालों के विविध किस्मों का प्रदर्शन आगंतुकों का ध्यान आकर्षित करने वाला था। पिंजरा मछली पालन के मोडल, अक्वापोनिक्स, अलंकारी मछली पालन, पुनर्चक्रित जलजीवपालन (आर ए एस) आदि भी प्रदर्शित किए गए थे।

इस दौरान समुद्री प्रदूषण एवं मछली पारितंत्र में प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव पर अंतर्दृष्टि देने वाले जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया था। श्री अजु के राजु, भा कृ अनु प–सी एम एफ आर आइ के तकनीकी सहायक एवं पक्षी उत्साही द्वारा लिए गए समुद्री पक्षियों के फोटोग्राफ की प्रदर्शिनी एवं विपणन भी इस दौरान आयोजित किया था। आगंतुकों ने वैज्ञानिकों के साथ विचार विमर्श किया और राज्य के समुद्री मात्स्यिकी द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों एवं मुद्दों पर चर्चा की। आण्विक जैविकी, बायो प्रोस्पेक्टिंग, कोश संवर्धन, मात्स्यिकी जैविकी, पर्यावरणीय अनुसन्धान, जलवायु परिवर्तन, महासागरीय अम्लीकरण आदि से संबंधित प्रयोगशालाएं भी कार्यक्रम के दौरान जनता के लिए खोली गयीं।

प्रदर्शिनी में मछली ओटोलिथों से बने आभूषणों की ओर अनेक लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ। विविध आकार एवं डिज़ाइन युक्त ओटोलिथ आभूषण देखने के लिए भारी भीड़ थी। यद्यपि ज़्यादातर मछलियों में ओटोलिथ पायी जाती है फिर भी इनमें से केवल दस प्रजातियां आभूषण बनाने के लिए उपयुक्त हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

भा कृ अनु प – केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान में दिनांक 7 मार्च 2020 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। समारोह की मुख्य अतिथि सुश्री अनुविन्दा अनिल, एम बी बी एस छात्रा थी, जिन्होंने अपने पिता डॉ. एम. के. अनिल, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी वैज्ञानिक, भा कृ अनु प–सी एम एफ आर आइ विषिंजम अनुसंधान केंद्र, विषिंजम को अपने जिगर का दान दिया था।

घर की स्वास्थ्य सेवाओं एवं समर्थन प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर बल देते हुए सुश्री अनुविन्दा अनिल ने कहा कि उनके पिता लंबे समय तक कैंसर के रोगी थे और पिछले दो वर्षों में शायद कीमोथेरेपी और विस्तारित अनुवर्ती दवा के उपयोग के पार्श्वफल के रूप में वे जिगर सिरोसिस से ग्रसित हुए। जब डॉ. अनिल को लिवर ट्रांस्प्लांट की ज़रुरत हुई तब उनकी बेटी परिवारवालों और माता-पिता की अनिच्छा को न मानते हुए जिगर दाता के रूप में आगे आयी। श्रीमती दुर्गा अनिल, विशेष अतिथि और सुश्री अनुविन्दा की मां ने अपने अनुभवों को बांटा। मुख्य अतिथि और विशेष अतिथि ने इस तथ्य पर ज़्यादा जोर दिया कि जीवित अवयव दाताओं में सबसे अधिक महिलाएं एवं बालिकाएं हैं।

सी एम एफ आर आइ के महिला सेल द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. सुनिल मोहम्मद, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, मोलस्कन मात्स्यिकी प्रभाग, सी एम एफ आर आइ समारोह में अध्यक्ष रहे। डॉ. मिरियम पॉल श्रीराम, अध्यक्ष, महिला सेल और डॉ. संध्या सुकुमारन, सदस्य सचिव, महिला सेल ने इस अवसर पर भाषण दिए।

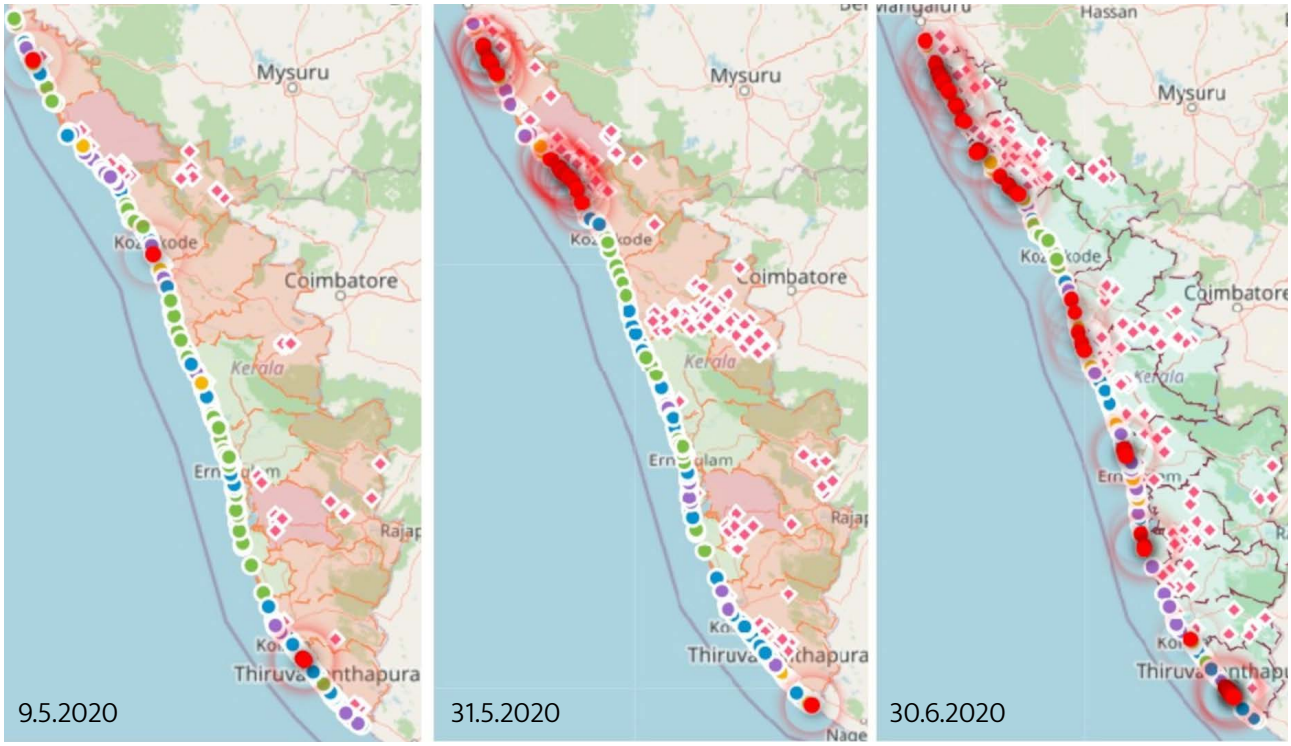

हॉट स्पोटों का मानचित्र

मत्स्यन अवतरण केन्द्रों के आसपास कोविड – 19 हॉटस्पॉटों के लिए जी आइ एस आधारित जानकारी

केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान द्वारा विविध समुद्रवर्ती राज्यों के समुद्री मछली अवतरण केन्द्रों के आसपास के कोविड–19 हॉटस्पॉटों की जी आइ एस आधारित आनलाइन जानकारी देने के लिए नए पहल की शुरुआत की गयी। आनलाइन जी आइ एस आधारित डेटाबेस केरल, आन्ध्रा प्रदेश एवं कर्नाटक के समुद्री मछली अवतरण केन्द्रों के आसपास के कोविड–19 हॉटस्पॉटों को चित्रित करता है जो देश के विविध मत्स्यन अवतरण केन्द्रों की गतिविधियों को दैनिक आधार पर निगरानी करने में महत्वपूर्ण होगी। डेटाबेस के आधार पर अन्य समुद्रवर्ती राज्यों के अवतरण केन्द्रों से संबंधित सूचना सम्मिलित करने का कार्य चालू है। सरकार द्वारा पहचाने गए तटीय जिलों के अंतर्गत कोविड–19 के नियंत्रण क्षेत्रों / हॉटस्पॉटों की भौगोलिक निकटता के अनुसार विविध राज्यों के समुद्री मत्स्यन अवतरण केन्द्रों का दृश्य विविध रंग ग्रुपों में डेटाबेस प्रदान करता है। हॉटस्पॉटों से दूरी के अनुसार अवतरण केन्द्रों को वर्गीकृत किया गया एवं संबंधित राज्य सरकारों से प्राप्त सूचना के अनुसार दैनिक आधार पर अपडेट किया जाता है। प्रथम श्रेणी में हॉटस्पॉट से 3 कि. मी. की दूरी में स्थित मछली अवतरण केन्द्रों में निवारक उपायों को प्रमुखता देने की आवश्यकता होती है। दूसरी श्रेणी में हॉटस्पॉट के 3 कि. मी. से 5 कि. मी. की दूरी में स्थित अवतरण केंद्र आते हैं जबकि तीसरी श्रेणी में हॉटस्पॉट के 5 कि. मी. से 10 कि. मी. की दूरी में स्थित अवतरण केंद्र शामिल है.

पहल की व्यावहारिक उपयोगिता: जी आइ एस आधारित डेटाबेस अधिकारियों एवं नीति निर्माताओं को दैनिक गतिविधियों की निगरानी एवं उन्हें मछली अवतरण केंद्रों में सुरक्षा उपायों और मत्स्यन पोताश्रयों में जहां सुरक्षा उपायों की छूट दी जा सकती है, के सम्बन्ध में आसानी से समझने के लिए सहायता देती है।